**मीडिया समन्वयक कार्यालय**

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया**

विज्ञप्ति 26 सितंबर 2017

## जामिया में पंडित दीनदयाल के एकात्म मानवतावाद पर व्याख्यान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह के तहत उनके ''एकात्म मानवतावाद'' के दर्शन पर व्याख्यान का आयोजन हुआ।

जेएमआई के आउटरीच प्रोग्राम कार्यालय के तहत कल दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृत की पूर्व प्रोफेसर दीप्ति त्रिपाठी ने यह व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि एकात्म मानवतावाद नाम से विख्यात पंडित दीनदयाल का राजनीतिक, सांस्कृति और आर्थिक दर्शन व्यक्तियों और समाज के समग्र विकास का एक संपूर्ण खाका पेश करता है।

प्रो त्रिपाठी ने कहा कि पंडित दीनदयाल ने व्यक्ति की बुद्धि, आत्मा और शरीर के संतुलित विकास की वकालत की। उनका मानना था कि समाज व्यक्ति पर निर्भर है और व्यक्ति प्रकृति के कानून के साथ देश के कानून से निर्देशित होता है।

उन्होंने कहा कि 'धर्म' से पंडित दीनदयान का आशय लौकिक कानून से था जो विश्व और मानव को दिशा देता है, लेकिन धर्म के रूप में इसे लिए जाने से यह बहुत विकृत हो गया। जबकि पूर्व में यह शाश्वत नियमों का प्रतिनिधित्व करता था जो मनुष्य को अच्छे कार्यो के लिए प्रोत्साहित करता है।

व्याख्यान के समापन पर जेएमआई संस्कृत विभाग के प्रमुख प्रो गिरीश पंत ने सबका धन्यवाद किया। इससे पहले विश्वविद्यालय के आउटरीच प्रोग्राम के समन्वयक प्रो मुकेश रंजन ने कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में जेएमआई के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

**प्रो साइमा सईद**
**मीडिया कोऑर्डनैटर**